

अजमेर जेएलएन में किसान की मौत, परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उनकी जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल दी, जिसके आधार पर कई घंटों तक गलत उपचार किया गया

- वहीं आरोप है कि मरीज की गंभीर स्थिति बनने के बाद समय पर ऑक्सीजन, ट्रॉली और गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे मरीज की जान चली गई**

- परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की**

अजमेर, (निर्स)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) चिकित्सालय में इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही का आरोप सामने आया है। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा निवासी 66 वर्षीय किसान भंवरलाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उनकी जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल दी, जिसके आधार पर कई घंटों तक गलत उपचार किया गया। इसके साथ ही मरीज की गंभीर स्थिति बनने के बाद समय पर ऑक्सीजन, ट्रॉली और गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे मरीज की जान चली गई। मामले को लेकर परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मृतक के मित्र धनराज ने बताया कि भंवरलाल को पेट संबंधी बीमारी

के चलते 9 जुलाई को महात्मा गांधी चिकित्सालय, भीलवाड़ा से अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया था। दोपहर करीब तीन बजे उन्हें आपातकालीन इकाई में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें सामान्य वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। परिजनों के अनुसार भर्ती होने के बाद पहली रात मरीज की तबीयत में सुधार दिखाई दिया। वे सामान्य बातचीत कर रहे थे और उन्होंने दलिया तथा नारियल पानी भी लिया था। चिकित्सकों ने भी स्थिति सामान्य

बताते हुए उन्हें सामान्य वार्ड में ही रखा। मृतक के पुत्र पप्पू लाल का आरोप है कि अगले दिन नया उपचार शुरू होने के बाद उनके पिता की हालत अचानक बिगड़ने लगी। शाम तक वे परिजनों को पहचान नहीं पा रहे थे, असामान्य व्यवहार करने लगे और रात में दर्द से परेशान होकर बार-बार उठने तथा भागने का प्रयास कर रहे थे। परिजनों ने कई बार ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ को स्थिति से अवगत कराया, लेकिन उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया।

परिजनों का कहना है कि बाद में

उन्हें जानकारी मिली कि मरीज की जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल गई थी और उसी आधार पर उपचार जारी रहा। उनका आरोप है कि इसी वजह से मरीज की हालत लगातार बिगड़ती चली गई।

परिजनों के अनुसार 12 जुलाई की रात मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। उन्होंने तत्काल आईसीयू में भर्ती करने और बलगम साफ कराने की मांग की, लेकिन समय पर कोई व्यवस्था नहीं की गई।

मजबूर होकर परिजनों को स्वयं ट्रॉली तलाशनी पड़ी, जिसमें लगभग 20 मिनट का समय लाना गया।

इतना ही नहीं, जब मरीज को ऑक्सीजन देने का प्रयास किया गया तो लाया गया सिलेंडर खाली निकला। दूसरा सिलेंडर मंगाने और मरीज को आपातकालीन वार्ड से आईसीयू तक पहुंचाने में भी काफी देर हो गई। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा दी जाती तो संभवतः मरीज की जान बचाई जा

सकती थी। परिजनों के मुताबिक उपचार में हुई देरी के कारण मरीज ने आईसीयू पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। आईसीयू में ईसीजी जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पुत्र पप्पू लाल ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि एक सामान्य पेट की बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल आए किसान की मौत कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण हुई है। उन्होंने दोषी चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में अन्य मरीज भी ऐसी घटनाओं का शिकार हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं अस्पताल प्रशासन की ओर से इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

जोधपुर में हिस्ट्रीशीटर के साथ मिलकर किसान परिवार पर हमला किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में बासनी बेदा की ढाणी मानपुरा में एक किसान परिवार पर हिस्ट्रीशीटर सहित कुछ लोगों ने हथियारों से लैसे होकर जानलेवा हमला कर दिया। हस्त में वुद्ध बुरी तरह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमडीएमडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर भागते से समय अपनी बाइक और हथियार मौके पर ही छोड़कर निकल गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। आरोपियों ने भागते समय जान की धमकी भी दी।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया

कि बासनी बेदा की ढाणी मानपुरा निवासी गोपाल प्रजापत को तरफ से मामला दर्ज कारया गया है। इसमें बताया कि उसके पिता विरमाराम पुत्र फूसाराम रविवार को शाम को अपने खेत में बाढ़ कर रहे थे। तब करीब शाम 6 बजे वहां पर मानपुरा निवासी खिंवरराज पुत्र किशनाराम, गणपत पुत्र यासीराम, गुलाब पुत्र बालुराम तीनों आए और पिता से गाली-गलौच कर मारपीट करनी शुरू कर दी। आरोप है कि उन लोगों ने धारदार हथियार कुल्हाड़ी, कूट और लाठी से हमला किया, जिससे उसके पिता के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। सिर में भी गम्भीर चोट

आयी। परिवार की महिलाओं ने जब बीच-बचाव करना चाहा तो उनसे भी मारपीट की गई। आरोपी हथियार और मोटरसाइकिल वहीं पर छोड़कर भाग गए। मारपीट और हमले में घायल उसके पिता को बाद में एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी भागते समय पुलिस कार्रवाई नहीं करने की धमकी देकर गए। रिपोर्ट में बताया कि आरोपियों में गणपत नाम का शख्स हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ पहले से ही कई प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल एयरपोर्ट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घायल का अस्पताल में उपचार जारी है।

हथियार बरामद

झुंझुनूं, (निर्स)। शहर में हाल ही में हुई डकैती की वारदात की जांच के दौरान कोवाली थाना पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत नया मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शहर में गत दिनों हुई डकैती के मामले में गिरफ्तार आरिफ पुत्र सरताज कुरैशी से पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने नेशनल हाईवे स्थित सिटी कॉलोनी के पास अंसारी कॉलोनी जाने वाले मार्ग पर एक खाली प्लॉट में छिपाकर रखा गया अवैध देशी कट्टा बरामद कर जब्त कर लिया।

हाईवे पर कार अनियंत्रित होकर पलटी, दो जनों की मौत, दो घायल

कोटा, (निर्स)। नान्ता थाना इलाके में रविवार देर रात्रि को कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर एक कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में कार में सवार दो जनों की मौत हो गई एवं दो जने घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार चार मित्र कार से कोटा आते समय कोटा-उदयपुर हाईवे हैंगिंग ब्रिज के समीप अचानक से भैसों का झुंड आने से तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, हादसा इतना भीषण था कि कार ड्रिवाइंडर पर चढ़ गई और काफी दूर तक दौड़ती चली गई। हादसे में चारों मित्र क्षतिग्रस्त कार के

- चारों दोस्त खाना खाने के लिये निकले थे और वापस कोटा लौटते समय हादसा हो गया**

भीतर फंस गये। मामले में सामने आया कि चारों दोस्त खाना खाने के लिये निकले थे और वापस कोटा लौटते समय हादसा हो गया। राहगीरों ने जब कार को क्षतिग्रस्त हालत में और चार जनों को कार में देखा तो इसकी सूचना पुलिस व एम्बुलेंस को दी, सूचना पाकर पुलिस

टीम मौके पर पहुंची। नान्ता थाने के सब इंस्पेक्टर घर्मदो लाल ने बताया कि पुलिस को हादसे की सूचना मिली जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि चारों मित्र घर से खाना खाने के लिये कार से कोटा-उदयपुर हाईवे पर निकले थे। रविवार देर रात्रि को वापस कोटा आते समय हैंगिंग ब्रिज से पहले तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर ड्रिवाइंडर पर चढ़ गई और पलटी खा गई। एसआई ने बताया कि हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चारों युवक उसमें फंस गए, चारों को उपचार के लिये एम्बुलेंस के जरिये अस्पताल

पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दो जनों को मृत घोषित कर दिया।

एसआई ने बताया कि हादसे में विज्ञान नगर निवासी अमन (27), दादाबाड़ी निवासी कुंतेश वर्मा (32) की मौत हो गई एवं कार में सवार बसंत बिहार निवासी जगदीश जुमरानी (36) व बोरखेड़ा निवासी दीपेश (36) घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसआई ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

श्रीडूंगरगढ़ में बेटे ने बुजुर्ग मां की लाठी से पीटकर हत्या की

बीकानेर, (निर्स)। बेटे ने बुजुर्ग मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। रात को अपनी पत्नी को जगाकर कहा कि मां मर चुकी है। पत्नी ने चिल्लाकर अन्य परिजनों को उठाया। सभी लोग घर के बाहर सो रही 70 साल की बुजुर्ग मां के पास वीड्रकर पहुंचे। भाई को देखते ही आरोपी घर से फरार हो गया।

मामला श्रीडूंगरगढ़ थाना इलाके के बाना गांव का रविवार सुबह 4 बजे का है। पुलिस ने आरोपी बेटे रामनिवास को डिटैन कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जांचकारी ली और बेटे को डिटैन किया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को

- पत्नी को जगाकर बोला मां मर गई, भाई को देखते ही घर से भागा**

- पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को डिटैन किया**

डिटैन किया है। श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी कश्यप सिंह राघव ने बताया कि बाना गांव में गीता देवी (70) की हत्या के आरोप में बेटे रामनिवास को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। रामनिवास

के भाई ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि देर रात 2 बजे रामनिवास घर में ही इधर-उधर उहल रहा था। उस समय उसकी पत्नी भी जाग रही थी। इसके बाद 4 बजे उसने अपनी पत्नी को उठाया और उससे कहा कि मां मर चुकी है। ये सुनकर उसकी पत्नी चिल्लाई और परिजन भी उठ गए। ओमप्रकाश ने बताया कि घर के सभी लोग जागे और बाहर सो रही मां की ओर दौड़े। रामनिवास मां के पलंग को सरका रहा था। सामने मुझे देखकर वह भाग गया। उसने नींद से उठाकर मां की हत्या की है। पुलिस ने बताया कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है। हालांकि उसे हिरासत में लेकर मामले की पूछताछ की जा रही है।

लापता युवती का शव खेत के कुएं में मिला

रामगंजमंडी, (निर्स)। कोटा जिले के मोड़क थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेलियाखेड़ी स्थित खेत के एक कुएं में अहीर समाज की लापता युवती आरती (26) पुत्री दुर्गालाल का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा सहित मोड़क थाना पुलिस

मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मोड़क अस्पताल पहुंचाया। युवती के परिजनों ने 11 जुलाई को उसके लापता होने पर मोड़क थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद से पुलिस और परिजन उसकी

तलाश में जुटे हुए थे। सोमवार सुबह खेत के कुएं में शव मिलने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने थाना मोड़क में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

विराटनगर के जैन नसिया में छह अष्टधातु की मूर्तियां और चांदी के छत्र चोरी

पावटा, (निर्स)। विराटनगर कस्बे के किला-कोटवाली रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर का ताला तोड़कर 6 अष्टधातु की मूर्तियां, 1० चांदी के छत्र और अन्य

- घटना के बाद जैन समाज में रोष, पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा करने की मांग की**

- सूचना पर विराटनगर पुलिस, एमओबी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए**

धार्मिक सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद जैन समाज में भारी रोष व्याप्त है और समाज ने पुलिस प्रशासन



विराटनगर का पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जहां चोरी हुई।

से जल्द खुलासा करने की मांग की है। जैन नसिया समिति के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि रविवार, 12

जुलाई की रात करीब 11 बजे मंदिर का मुख्य गेट बंद कर सभी लोग अपने घर चले गए थे। सोमवार सुबह करीब 4

बजे मंदिर खोला गया तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो मंदिर में रखे धार्मिक सामान और दानपात्र के आसपास सामान बिखरा पड़ा था तथा कई कीमती धार्मिक वस्तुएं गायब थीं।

सूचना मिलते ही जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। चोरी की सूचना पर विराटनगर पुलिस, एमओबी और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों की तलाश में जुट गई है। जैन समाज ने इस घटना को धार्मिक आस्था पर चोट बताते हुए पुलिस प्रशासन से शीघ्र जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी हुए धार्मिक सामान की बरामदगी की मांग की है। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी बाबूलाल का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

बूंदी, (निर्स)। ईसान की सबसे बड़ी जरूरत उसका अपना आशियाना होता है, लेकिन जब उस आशियाने का मालिकाना हक (पट्टा) पाने के लिए

- पट्टा न होने की वजह से राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था**
- लंबे समय तक इंतजार करने के बाद इन परिवार ने पट्टा मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी**

आधी सदी यानी 50 साल गुजर जाए तो उम्मीदें दम तोड़ने लगती हैं। हिंडोली उपखंड क्षेत्र के ग्रामा गांव के घुमंतु/अर्द्ध घुमंतु परिवार के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। लेकिन, राज्य सरकार द्वारा रौशदा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने इनकी दशकों पुरानी मुश्कद पूरी कर दी। जब परिवार को उनके पुश्तैनी मकान का पट्टा सौंपा गया, तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

हरणा निवासी पप्पू नाथ, सुरेश नाथ, अमरनाथ और दिनेश नाथ ने

बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से अपने पुश्तैनी मकान के पट्टे का इंतजार कर रहे थे। पट्टा न होने की वजह से वे सरकारी कारगजों में अपने ही घर के



ग्रामीण सेवा शिविर पट्टा तैयार कर परिवार को वितरित किया।

तुरंत संज्ञान लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए हाथों-हाथ पट्टा तैयार कर इन्हें वितरित कर दिया। दशकों पुराना सपना जब हकीकत बनकर उनके हाथों में आया, तो लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। पट्टा पाकर पप्पूनाथ व अन्य सदस्यों ने खुशी जताते हुए कहा कि

जिस काम के लिए उन्होंने आस छोड़ दी थी, वह शिविर में आसानी से पूरा हो गया। राज्य सरकार के इस शिविर ने उनकी उम्मीदों को फिर से ज्वांद कर दिया है। इस राहत के लिए सभी लाभार्थियों ने राज्य सरकार का आभार जताया।